प्रशंसाएं और बधाईयां किसको अच्छी नहीं लगतीं, लेकिन अगर किसी दूसरे के अच्छे कामों की बधाईयां किसी अन्य को मिलने लग जाएं तो यह अच्छी बात नहीं है। जिसका हक है उसे ही मिलनी चाहिए।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक देवली संस्करण
आरएनआई नं. RAJHIN/2014/57501
विश्वास आपका साथ हमारा...
जयपुर, कोटा, बांरा, झालावाड़, बून्दी, टोंक, देवली, केकड़ी, अजमेर, जहाजपुर, हिण्डोली से एक साथ प्रसारित
डाक पंजीयन संख्या- टोंक/50/2022-24
रूरल जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया से सम्बद्ध

जनसहभागिता

आप हमारे समाचार पत्र, समाचारों व लेखनी से संतुष्ट है तो दूसरों से कहिए यदि नहीं, कुछ सुधारे चाहे तो हमें कहिए।

वर्ष- 11 | अंक- 32 | देवली (टोंक) राजस्थान | बुधवार 24 से 30 जुलाई 2024 | मूल्य-5 रुपये | पृष्ठ-4 | E-mail:jansahbhagita@rediff mail.com

राज्यपाल की अध्यक्षता में विश्वविद्यालयों से जुड़ी समस्याओं की विशेष समीक्षा बैठक आयोजित

अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य हों: राज्यपाल

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रदेश की जिला रेडक्रॉस शाखाओं से रक्तदान शिविरों के साथ–साथ अंगदान, देहदान और नशा मुक्ति के लिए भी विशेष कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रेडक्रॉस सोसायटी सदस्यों द्वारा निक्षय मित्र बनाकर राजस्थान को टीबी मुक्त किए जाने पर भी जोर दिया है। जनजाति क्षेत्रों में रेडक्रॉस गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता जताते हुए उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य हों। राज्यपाल ने जिला कलेक्टरों से प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के तहत गांव गोद लेकर उनके विकास के किए जा रहे कार्यों में सहभागी बनने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांव गोद लेकर विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों का जिला कलक्टर स्तर पर समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट दी जाए। इससे ग्रामीणों को उनकी भागीदारी से विकास योजनाओं का प्रभावी लाभ मिल सकेगा। उन्होंने जिला कलक्टर स्तर पर राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की भूमि, भवन और अन्य स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए भी समुचित कार्यवाही किए जाने पर जोर दिया।

संस्थान माँ सरस्वती ग्रामीण विकास एवं सक्षणक ने एक पौधा देश के नाम के तहत शुरू किया पौधारोपण

एक पौधा देश के नाम योजना के तहत संस्था ने देवली में वृक्षारोपण करते हुए जागरूकता कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। संस्थान के अजय जैंने बताया कि छात्राओं से एक-एक पौधा लगवाकर पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी के साथ अपने घर के आस पास पौधारोपण करने का संकल्प दिलाया गया तथा लोगों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित करते हुए ÷एक पौधा देश के नाम÷ एक पेड़ मां के नाम पर लगाने का आव्हान किया। इस अवसर पर रीना मीना रेखा बैरवा खुसबू जैन ऊपस्थित रही।

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मेंएक पौधा देश के नाम के तहत शुरू किया पौधारोपण

देवली। एक पौधा देश के नाम योजना के तहत राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय देवली में वृक्षारोपण करते हुए जागरूकता कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। राजकीय चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी श्रीमान जागिड़ ने ने बताया ने बताया कि स्टॉफने एक-एक पौधा लगवाकर पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई।

भारत को नशा मुक्त करने हेतु संस्था के स्वयं सेवकों ने नशा मुक्ति की शपथ ली

नशामुक्त भारत के लिए मासरस्वती ग्रामीण विकास एवं शैक्षणिकअनुसंधान संस्थान ने सरकार के आदेशों के अनुपालन में भारत को नशा मुक्त करने हेतु संस्था के स्वयं सेवकों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार जैन के नेतृत्व मार्गदर्शनिर्देशन में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में जैन ने सभी को एकजुट होकर ना केवल समुदाय, परिवार, मित्रजन बल्कि स्वयं को भी सभी प्रकार के नशे।

अभिषेक मंगल राजस्थान के टाप फाइव टैक्स पैयर्स में शामिल, चीफ कमीशनर ने किया सम्मान

देवली। देवली निवासी अभिषेक मंगल की कंपनी इको शीट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को राजस्थान के टॉप 5 टैक्स पैयर्स में शामिल होने पर सम्मान मिला है। इको शीट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नवल मंगल ने बताया कि आज इनकम टैक्स डे पर पूरे राजस्थान में 5 हाई टैक्स पेयर्स को सम्मानित किया गया है। जिसमें कंपनी की ओर से अभिषेक मंगल ने बुधवार सुबह एक कार्यक्रम में जयपुर में यह सम्मान प्राप्त किया। अभिषेक मंगल का सम्मान राजस्थान इनकम टैक्स के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर नरेश बालोदिया ने ट्राफी सौंपकर किया। इस दौरान अभिषेक मंगल ने कहा कि अगर सरकार राजस्थान के सर्वाधिक टैक्स पेयर्स के लिए भी कोई विशेष योजना या अन्य कार्यों में प्राथमिकता देने या अन्य कोई स्कीम की शुरुआत करें तो टैक्स पैयर करने वालों में भी कंपटीशन बढ़ सकता है। इससे राजस्थान सरकार के राजस्व में भी जोरदार वृद्धि होने के आसार रहेंगे। अभिषेक मंगल की स्पीच की उपस्थित लोगों ने काफी सराहना की।

विधायक गोपीचंद मीणा ने जहाजपुर क्षेत्र को

पर्यटक स्थल घोषित करने की विधानसभा में उठाई मांग

देवली। जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने विधानसभा में जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित कर विशेष पैकेज देने की मांग की है। विधायक ने कहा कि जहाजपुर की प्राकृतिक छटाओं में मौजूद नदी, झरने, अरावली की सुरम्य, रमणीय वादियों, नदी किनारे मौजूद प्राचीन स्नानाघाट।

अधिवक्ताओं की मांग के समर्थन में उतरे विभिन्न संगठन, आंदोलन हुआ तेज

देवली। देवली अभिभाषक संघ द्वारा एसीजेएमएम एवं एडीजे कोर्ट खुलवाने की मांग को लेकर किए जा रहे आंदोलन के समर्थन में शहर के विभिन्न संगठनों के उतर जाने पर आंदोलन तेज हो गया है। बुधवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन देवली उपखंड अधिकारी दुर्गा प्रसाद मीणा को सौंपा।

मोदी सरकार का बजट मायूस करने वाला ज्यादा-मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट मंगलवार को लोकसभा में पेश किया गया। इस पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने प्रतिं या दी है। इसके अलावा सपा और कांग्रेस नेताओं ने भी अपनी-अपनी बातें कहीं। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कहा, संसद में आज पेश केंद्रीय बजट अपने पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्ठी भर अमीर व धन्नासेठों को छोड़कर देश के गरीबों, बेरोज़गारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, वंचितों व उपेक्षित बहुजनों के त्रस्त जीवन से मुक्ति हेतु अच्छे दिन की उम्मीदों वाला कम, उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा है। उन्होंने आगे लिखा, देश में छाई जबरदस्त गरीबी, बेरोज़गारी, महंगाई, पिछड़ापन तथा यहां के 125 करोड़ से अधिक कमज़ोर तबकों के उत्थान व उनके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के प्रति इस नई सरकार में भी अपेक्षित सुधारवादी नीति व नीयत का अभाव।

जनसहभागिता को मिले पाठको के पत्र

महानुभवी , आदरणीय, वरिष्ठ पत्रकार और संपादक अजय जी को मैं सहृदय प्रणाम करता हूं मैं जानता हूं आप ना केवल सिर्फ़ लेखन करते हैं बल्कि आप आम लोगों की आवाज़ बन कर हर प्लेटफार्म पर बुलन्द करते हैं । मैं भी आपके बिना अधूरा हूं मैं हमेशा आपके सहयोग से ही प्राकृतिक हर्बल यूनानी चिकित्सा और अन्य कई बीमारियों और आने वाले मानव जीवन के फ़ायदे और नुकसान से अवगत कराता रहता हूं इसमें मार्ग हेतु मुझे हमेशा आपका सहयोग मिलता रहा हैं मुझे उम्मीद है कि आगे भी आपका सहयोग मिलता रहेगा।

आपका परम भ्राता
डॉ. लियाकत अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा थैरेपी स्पेशियलिस्ट)
ज़िला अधिकारी (शहर)
एस.एम.एस.अस्पताल
जयपुर (राज.)

सम्पादकीय....

देवनानी यदि धृतराष्ट्र है तो फिर कांग्रेस शासन के विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को क्या कहा जाएगा

कांग्रेस के 80-90 विधायकों का सामूहिक इस्तीफा आज भी रहस्यमय बना हुआ है

अजय जैन

राजस्थान में कांग्रेस विधायक दल के नेता टीकाराम जूली ने आरोप लगाया है कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी धृतराष्ट्र की तरह सद में व्यवहार कर रहे है। देवनानी सत्ता पक्ष भाजपा के मंत्रियों और विधायकों को तो बोलने देते हैं, लेकिन विपक्ष के विधायकों पर अंकुश लगाते हैं। जूली की इस टिप्पणी से अब देवनानी भी खफा है। देवनानी ने कांग्रेस को उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने तक का प्रस्ताव कर दिया। सवाल उठता है कि यदि कांग्रेस की नजर में देवनानी धृतराष्ट्र है तो फिर पिछले कांग्रेस शासन में विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को क्या कहा जाएगा? देश के संसदीय इतिहास में यह पहला अवसर रहा, जब किसी सत्तारूढ़ पार्टी के 80-90 विधायकों ने सामूहिक तौर पर अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंप दिया। सब जानते हैं कि 25 सितंबर 2022 को जब जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई तो कांग्रेस के 80-90 विधायकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थन में सामूहिक इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को सौंप दिया। न्यूज चैनलों में विधायकों का सामूहिक इस्तीफे लेते हुए वीडियो भी जारी हुए। सामूहिक इस्तीफे के बाद विपक्ष मांग करता रहा है कि अध्यक्ष सीपी जोशी को इस्तीफों पर अपना निर्णय देना चाहिए। लेकिन सीपी जोशी ने विधानसभा अध्यक्ष का विशेषाधिकार बताते हुए निर्णय की जानकारी देने से मना कर दिया। हालांकि सत्तारूढ़ पार्टी के 80-90 विधायकों के इस्तीफे का मामला बहुत गंभीर था, लेकिन सीपी जोशी ने कोई निर्णय नहीं लिया। इनमें गहलोत सरकार के अधिकांश मंत्री भी शामिल थे। मजे की बात तो यह रही कि इस्तीफे के बाद भी विधानसभा में मंत्री और विधायक सक्रिय रहे। टीकाराम जूली को अब यह बताना चाहिए कि आखिर सीपी जोशी उस समय किस भूमिका में थे। जूली को यह भी पता होना चाहिए कि सीपी जोशी का निर्णय जानने के लिए तबके प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ को हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी थी। मामला हाईकोर्ट में चल जाने के बाद भी सीपी जोशी ने कोई फैसला नहीं किया। उल्टे कहा गया कि विधानसभा अध्यक्ष के अधिकारों में कोई कोर्ट भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। जो जूली देवनानी को धृतराष्ट्र बता रहे हैं उन्हें बताना चाहिए उस समय के विधानसभा अध्यक्ष ने अपनी आंखों पर कौनसी पट्टी बांध रखी थी। सब जानते हैं कि कांग्रेस के विधायकों के सामूहिक इस्तीफे के कारण ही अशोक गहलोत मुख्यमंत्री पद पर टिके रहे। इस राजनीतिक ब्लैकमेलिंग के आगे कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व को झुकना पड़ा। जो जूली देवनानी को धृतराष्ट्र बता रहे हैं, उन्हीं देवनानी ने विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद हाईकोर्ट को बताया कि कांग्रेस के विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया था। सवाल उठता है कि जब विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया तो फिर सीपी जोशी ने विधायकों की राय क्यों नहीं ली? जाहिर था कि तब सीपी जोशी भी अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाए रखने में रुचि दिखा रहे थे। कोई माने या नहीं लेकिन अध्यक्ष का झुकाव हमेशा अपनी पार्टी की ओर ही होता है। ऐसा सिर्फ राजस्थान विधानसभा में ही नहीं बल्कि देश की हर विधानसभा में होता है। किसी भी विधानसभा में विपक्ष के विधायक को अध्यक्ष नहीं बनाया जाता। सत्तारूढ़ दल के हितों का संरक्षण हो सके इसलिए सत्तारूढ़ दल के विधायक को ही विधानसभा का अध्यक्ष बनाया जाता है।

बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हैं

तो उन्हें करवाएं इम्युनिटी बढ़ाने वाले योगासन

बारिश के दिनों में बच्चे अक्सर संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में शरीर को एक्टिव और बीमारियों से बचाए रखने के लिए योगासनों का अभ्यास लाभदायक साबित जानते हैं इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने वाले योगासनमानसून के दिनों में बार बार बारिश के संपर्क में आने से बच्चों के शरीर में बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शनका खतरा बना रहता है। शरीर को धूप न मिल पाने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है। ऐसे में शरीर को एक्टिव और बीमारियों की चपेट से बचाए रखने के लिए योगासनों का अभ्यास लाभदायक साबित होता है। इससे तन और मन को सुकून और एनर्जी की प्राप्ति होती है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से शरीर बीमारियों से दूर बना रहता है। जानते हैं बरसात में बच्चों के इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने वाले योगासन ।

शारीरिक रूप से सक्रिय रहना क्यों है ज़रूरी-जर्नल ऑफ़ इम्फेक्शन एंड इम्युनिटी की रिपोर्ट के अनुसार मानसून में मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है। ह्यूमिडिटी और नमी के स्तर में

बढ़ोतरी होने से शरीर आसानी से संक्रमण की चपेट में आ जाता है। ऐसे में बच्चों के शरीर को ऊर्जावान बनाने और इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के लिए शारीरिक सक्रियता को बनाए रखना जरूरी है। जानते हैं सर्टिफाइड योग एक्सपर्ट सुमिता गुप्ता से बच्चों के इम्यून सिसटम को बूस्ट करने वाले योगासन।

इम्यून सिस्टम को मज़बूत बनाने के लिए योगासन

1. **सेतुबंधासन** -रोज़ाना सेतुबंधासन का प्रयास करने से शरीर के मसल्स में मज़बूती बढ़ती है और ब्लड सर्कुलेशन नियमित बना रहता है। इससे शरीर में बैक्टीरियन इंफेक्शन का खतरा कम होने लगता है। इसके अलावा पेल्विक मसल्स को भी मज़बूती मिलती है। दिन में दो बार 30 सेकण्ड से 1 मिनट तक इस योगासन का अभ्यास फायदेमंद साबित होता है।

जानें इसे करने की विधि

इस योगासन को करने के लिए मैट पर पीठ के बल सीधा लेट जाएं और टांगों को भी सीधा कर लें।

स्तन कैंसर के शुरुआती निदान में सहायक हो सकती है जेनेटिक टेस्टिंग

एंजेलिना जोली उन सेलेब्रिटीज में से एक हैं, जिन्होंने ब्रेस्ट कैंसर पर खुलकर और बार-बार बात की है। उनकी मां की मृत्यु स्तन कैंसर से हुई थी और वे स्वयं भी BRCA1 पॉजीटिव पाई गईं। स्तन कैंसर का पारीवारिक इतिहास होने के बावजूद आपके लिए इसका रिस्क कितना है, जेनेटिक टेस्टिंग यह जानने में आपकी मदद कर सकती है।ब्रेस्ट कैंसर दुनिया भर में महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले कैंसर रोगों में से है। इसका शुरुआती स्टेज में निदान करना इस रोग के मैनेजमेंट और ट्रीटमेंट की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होता है, जिससे न सिर्फ महत्वपूर्ण जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि परिणामों में भी सुधार होता है। खासतौर से अगर आपके परिवार में पहले से ही स्तन कैंसर का इतिहास रहा है, तो आपको जीन टेस्ट या जेनेटिक टेस्टिंग जरूर करवानी चाहिए। फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम में मेडिकल जेनेटिसिस्ट डॉ ऋचा सोनी बता रही हैं इस बारे में सब कुछ।

ब्रेस्ट कैंसर और जेनेटिक टेस्टिंग- जेनेटिक टेस्टिंग ब्रेस्ट कैंसर से बचाव में एक ताकतवर टूल है, जो खासतौर से BRCA1 तथा BRCA2 जीन्स में म्युटेशंस का पता लगाने में मददगार साबित होता है। ये जीन्स जब सही तरीके से काम करती हैं, तो डीएनए की रिपेयरिंग में महत्वपूर्ण रोल अदा करती हैं और सैलुलर हेल्थ को भी मेंटेन रखती हैं। लेकिन इन जीन्स में म्युटेशन होने पर ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क बढ़ जाता है। यही वजह है कि जेनेटिक टेस्टिंग इस रोग के शुरुआती डायग्नॉसिस तथा इंटरवेंशन में महत्वपूर्ण रिसोर्स है।

क्या हैं BRCA1 तथा BRCA2 जीन्स- BRCA1 तथा BRCA2 जीन्स ऐसे प्रोटीन का निर्माण करती हैं, जो क्षतिग्रस्त डीएनए को रिपेयर करता है। ये कोशिकाओं के जेनेटिक मैटिरियल की स्थिरता बनाए रखने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। जब इनमें से कोई भी जीन्स म्युटेट होता है, तो क्षतिग्रस्त डीएनए सही ढंग से रिपेयर नहीं हो पाता, और इस वजह से कैंसर का रिस्क बढ़ता है। किसी भी महिला की BRCA1 या BRCA2 जीन्स में म्युटेशन होने पर उन्हें अपने जीवनकाल में ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा 45-65त हो जाता है। जबकि सामान्य आबादी में यह रिस्क करीब 12त होता है। इतना ही नहीं, इन म्युटेशन्स की वजह से ओवेरियन कैंसर समेत अन्य कैंसर का रिस्क भी बढ़ता है।

कैसे की जाती है जीन्स में म्युटेशन की जांच- BRCA1 तथा BRCA2 म्युटेशंस की जेनेटिक टेस्टिंग के लिए रक्त या लार के सैंपल की जांच कर इन जीन्स में होने वाले किसी भी बदलाव की पहचान की जाती है। ये टेस्ट बेशक, आसान होते हैं लेकिन इनके परिणाम काफी गंभीर भी हो सकते हैं। लेकिन पॉजिटिव टेस्ट रिजल्ट का मतलब यह नहीं होता कि कैंसर निश्चित रूप से होगा, बल्कि यह अधिक रिस्क का संकेत होता है, और लोगों को एक्टिव उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस टेस्ट रिजल्ट में BRCAv म्युटेशन की पुष्टि हुई, जिसके नतीजे काफी हिला देने वाले थे, लेकिन साथ ही, उनकी आगे की राह भी स्पष्ट हुई।

डायबिटीज आपकी मेन्टल हेल्थ को भी करती है प्रभावित डायबिटीज है तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

जिस प्रकार डायबिटीज के मरीजों में ऑर्गन फेलियर, मोटापा, हृदय संबंधी समस्या आदि का अधिक खतरा होता है। ठीक उसी प्रकार ये आपके मेंटल हेल्थ को भी प्रभावित कर सकती है।दिन प्रतिदिन डायबिटीज के मामले बढ़ रहे हैं, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। अनियंत्रित डायबिटीज सेहत संबंधित तमाम समस्याओं के जोखिम को बढ़ा देती है। क्या आपको मालूम है डायबिटीज आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है? यदि नहीं, तो आपको बताएं की यह बीमारी कई ऐसे कॉम्प्लिकेशंस और हेल्थ प्रॉब्लम्स को जन्म देती है, जो डिप्रेशन, स्ट्रेस, एंजायटी और अन्य साइकाइट्रिक डिसऑर्डर की स्थिति को खराब कर सकते हैं। जिस प्रकार डायबिटीज के मरीजों में ऑर्गन फेलियर, मोटापा, हृदय संबंधी समस्या आदि का अधिक खतरा होता है। ठीक उसी प्रकार ये आपके मेंटल हेल्थ को भी प्रभावित कर सकती है ।ब्लड शुगर लेवल और डिप्रेशन के बीच के कनेक्शन को समझने के लिए हेल्थ शॉट्स ने मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, गुरुग्राम के इंटरनल मेडिसिन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ एम के सिंह से बात की। तो चलिए जानते हैं, क्या होता है मानसिक स्वास्थ्य पर डायबिटीज का प्रभाव। जानें डायबिटीज और मेंटल हेल्थ का कनेक्शन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन के अनुसार मूड और उच्च और निम्न ब्लड शुगर या ग्लाइसेमिक के बीच संबंध होता है। खराब ग्लाइसेमिक रेगुलेशन के लक्षण मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण जैसे चिड़चिड़ापन, इरीटेशन और चिंता से मिलते-जुलते हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि ब्रेन मुख्य रूप से ग्लूकोज पर चलता है।यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिशीगन स्कूल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि डायबिटीज से पीड़ित महिलाओं में अस्थिर ब्लड शुगर लेवल जीवन की निम्न गुणवत्ता और नकारात्मक मूड से जुड़ा है। डायबिटीज के मरीजों में, हाई शुगर लेवल, या हाइपरग्लाइसेमिया, ऐतिहासिक रूप से क्रोध या उदासी से जुड़ा हुआ है, जबकि रक्त शर्करा में गिरावट, या हाइपोग्लाइसेमिया, घबराहट से जुड़ा हुआ है।

वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन

कपास फसल में गुलाबी सुण्डी के प्रभावी नियंत्रण व प्रबंधन के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन

जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन में बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी के प्रकोप, प्रभावी नियंत्रण, प्रबंधन के लिए किये जा रहे कार्यो की समीक्षा हेतु वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया। प्रमुख शासन सचिव ने श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, अनूपगढ, बीकानेर, नागौर, जोधपुर, चूरू और भीलवाडा जिलों में गुलाबी सुण्डी के संभावित प्रकोप से होने वाले नुकसान के कारणों, विभागीय अधिकारियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न पहलूओं पर चर्चा की। साथ ही गुलाबी सुण्डी के जीवन चक्र, उसके प्राथमिक स्तर के प्रकोप व नुकसान पर भी विस्तृत चर्चा की गई। गालरिया ने सभी जिलों के कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गुलाबी सुण्डी के प्रकोप का नियमित सर्वेक्षण कर उसके बचाव के उपाय तुरन्त कृषकों को बतायें। साथ ही गुलाबी सुण्डी की रोकथाम के लिए पंचायत स्तर पर गोष्ठियों, सभाओं व रात्रि चौपालों का आयोजन करें। जिला व खण्ड स्तरीय कन्ट्रोल रूम पूर्ण सजगता से गुलाबी सुण्डी का पर्यवेक्षण करते रहे। बैठक के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी प्रकोप होने का मुख्य कारण किसानों के खेतों में रखी गत वर्ष की वनसठियों के दूषित टिण्डों में कीट प्यूपा अवस्था में मौजूद रहना बताया जो कि मई-जून में अनुकूल वातावरण मिलते ही सक्रिय होकर फसल को संक्रमित करता है तथा लगातार जैसे-जैसे फसल में फूल आते रहते है संक्रमण जारी रहता है। अतः खेतों में रखी वनसठियों को वंहा से दूर सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करना ही उपाय है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष बिपरजॉय तूफान से हुई जल्दी वर्षा होने से बीटी कपास की बुआई लम्बी अवधि तकं किये जाने के कारण गुलाबी सुण्डी के जीवन चक्र के लिए अनुकूल फसल उपलब्ध रहने से टिंडो में प्रकोप हो गया था व मई-जून से लगातार वर्षा होने से अधिक वनस्पति वृद्धि व कम तापमान के कारण कीट को अनुकूल वातावरण मिलने से कीट का प्रकोप बढ़ा। सभी बीज उत्पादक कम्पनियों व आदान प्रतिनिधियों को सामाजिक सरोकार के तहत कीट की मॉनिटरिंग के लिए कृषकों के खेतों पर फेरोमैन ट्रेप लगाने व कीट प्रबंधन हेतु किये जाने वाले प्रचार-प्रसार में भागीदार बने। इस दौरान वी.सी. में अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) डॉ0 सुवालाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि श्री एच.एस. मीणा, अतिरिक्त निदेशक कृषि खण्ड बीकानेर श्री एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि खण्ड श्रीगंगानगर, सीकर, जोधपुर, भीलवाडा, संयुक्त निदेशक कृषि गुण नियंत्रण, पौध संरक्षण व आदान अनुभाग, कृषि विभाग के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक और भारत सरकार के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डोटासरा और स्पीकर के बीच नोकझोंक

वासुदेव देवनानी बोले-नेता प्रतिपक्ष को अधिकार है आपको नहीं, हर सवाल पर खड़े क्यों हो जाते हैं

जयपुर(नि.सं.)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और स्पीकर वासुदेव देवनानी के बीच नोकझोंक हो गई। स्वास्थ्य मंत्री जब कालीचरण सराफ के सवाल का जवाब देकर बैठे तो डोटासरा ने सवाल किया। इस पर स्पीकर ने कहा- डोटासराजी, हर सवाल पर आपका खड़े होना सही नहीं है। केवल नेता प्रतिपक्ष को ही इजाजत दी जाएगी। डोटासरा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसा नहीं चलेगा। स्पीकर ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि ऐसा ही होगा। नहीं तो मुझे कार्रवाई करनी पड़ेगी। आपको खड़े होने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार विपक्ष के नेता को है। आपको बिल्कुल अधिकार नहीं है। इसके बाद स्पीकर ने कहा कि डोटासरा जो बोलें वो सदन की कार्यवाही में रिकॉर्ड नहीं हो। तमाशा बना रखा है। **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- अवैध खनन रोकने को सरकार क्या कार्रवाई करेगी** -नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- सरकार अवैध खनन को रोकने को लेकर क्या कार्रवाई करेगी? **परसों ही अवैध खनन रोकने गई पुलिस पर हमला हो किया गया था।** -सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि पिछली सरकार के मुखिया ने इसी सदन में कहा था कि बजरी का अवैध खनन रुक नहीं सकता। अवैध खनन पर रोक नहीं लगा सकते। इस दौरान सदन में कांग्रेस-बीजेपी विधायकों के बीच नोकझोंक होती रही। **अवैध खनन को लेकर सदन में नोकझोंक** -विधानसभा में अवैध खनन से जुड़े सवाल को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक हुई। बीजेपी विधायक केसाराम चौधरी ने पाली जिले में अवैध खनन पर मंत्री के जवाब पर सवाल उठाते हुए कहा कि 24 महीने 26 दिन तक बिना लीज खनन हुआ उस पर क्या कार्रवाई होगी? मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि पहले मूल सवाल पूछा है। उसका तो जवाब दे दूं । विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने अपनी ही सरकार के स्वास्थ्य मंत्री को घेरा। कांग्रेस राज में महंगी दरों पर डायलिसिस मशीनें खरीदने के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने गड़बड़ियों से इनकार करते हुए क्लीन चिट दे दी।

निपाह वायरस का कहर हर वर्ष क्यों- डॉ. लियाकत अली मंसूरी

निपाह वाइरस के लक्षण चांदीपुरा वायरस के लक्षणों से मिलते जुलते होने से चिकित्सकों को रखनी होगी पैनी निगाह

मनुष्यों में निपाह वायरस के संक्रमण से श्वसन तन्त्र और तंत्रिका तंत्र प्रभावित होते हैं इसलिए इसे पोर्सिन रेस्पिरेटरी और न्यूरोलॉजिक सिंड्रोम या इंसेफेलिटिक सिंड्रोम या बार्किंग पिग सिंड्रोम के नाम से जाना जाता हैं । निपाह वायरस चमगादड़ , सूअर या दूषित खाद्य पदार्थों द्वारा मनुष्यों में फैलता है या यह सीधे मनुष्य से मनुष्य में भी फैलता है । ख़ासकर टेरोपोडिडे परिवार के फल चमगादड़ निपाह वायरस के प्राकृतिक मेजबान हैं।

निपाह वाइरस क्या है- निपाह वायरस (NiV) एक जूनोटिक वायरस है यानी यह जानवरों से मनुष्यों में फैलता है और यह दूषित भोजन के माध्यम से या सीधे व्यक्ति से व्यक्ति में फैलता है। अधिकांश मानव में संक्रमण बीमार सूअरों के स्राव के असुरक्षित सम्पर्क या उनके दूषित ऊतकों के सीधे संपर्क से उत्पन्न हुए । बांग्लादेश और भारत में संक्रमित फल चमगादड़ों के मूत्र , रक्त और नाक, लार से दूषित फलों या फलों से बने उत्पादों जैसे कच्चे खजूर रस के सेवन से सबसे ज्यादा संक्रमण हुआ ।

लक्षण- व्यक्ति में पहले बुखार , सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, गले में खराश के बाद खांसी और श्वास संबंधित समस्याएं आने लगती हैं और फिर दिमाग़ में सूजन आने से मानसिक स्थिति में परिवर्तन होने लगते हैं जिससे चक्कर आना, उनींदापन, चेतना में बदलाव , दौरे जैसे न्यूरोलॉजिकल संकेत और बाद में कोमा में जाकर मृत्यु भी हो जाती हैं । तीव्र संक्रमण होने से व्यक्ति 24 से 48 घंटों के भीतर ही कोमा में जा कर मृत्यु प्राप्त हो जाती हैं ।

संक्रमण की अवधि- संक्रमण से लेकर लक्षण दिखने तक का अंतराल 4 से 14 दिनों का होता हैं कुछ में 45 दिनों तक की अवधि वाले संक्रमित भी पाए गए हैं ।

निपाह वाइरस के वाहक कौन कौन- फल चमगादड़ के अलावा पालतू पशुओं में भी निपाह वायरस सबसे ज्यादा सूअरों में , घोड़े, बकरी, भेड़, बिल्ली और कुत्ते में पाया जाता है। निपाह वायरस के प्रकोप की सूचना सबसे पहले 1999 में मलेशिया में मिली थी ।

क्या निपाह वाइरस से खुद वाहक भी बीमार होते हैं ? -ज्यादातर संक्रमित सूअर में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते , लेकिन कुछ में तीव्र ज्वर,सांस लेने में कठिनाई, और तंत्रिका संबंधी लक्षण जैसे कि कांपना, मरोड़ना और मांसपेशियों में ऐंठन होना पाया गया। आम तौर पर, युवा सूअरों को छोड़कर इनमें मृत्यु दर कम होती है। यदि सूअरों में असामान्य भौंकने वाली खांसी या मनुष्यों में एन्सेफलाइटिस के मामले मौजूद हों, तो निपाह वायरस को संदेह में लेकर तुरन्त ईलाज और परिक्षण कर ईलाज शुरू कर देना चाहिए।

रोकथाम- सार्वजनिक स्थानों पर मास्क का प्रयोग करें । खांसतेद्धछींकते समय रुमाल या टिश्यू पेपर का इस्तेमाल करना चाहिए ।

निपाह वाइरस की आयु -निपाह वाइरस अनुकुल परिस्थितियों में लम्बे समय तक जीवित रह सकते हैं। यह चमगादड़ के मूत्र और दूषित फलों के रस में भी कई दिनों तक जीवित रह सकते हैं।

यूनानी चिकित्सा -फिलहाल अभी तक कोई उचित दवा या टीका नहीं है। इसमें आराम, जलयोजन और लक्षणों का उपचार किया जाता हैं । इसमें चांदीपुरा वाइरस की तरह ही लक्षणों के आधार पर ही ईलाज करते हैं द्धहब्बे बुखार, शर्बत खाकसी, खमीरा आबरेशम हकीम अरशद वाला, लऊक सपिस्ता ,शर्बत सिनफ्लू, इन्फ्लूएंजा ड्रॉप, जवारीश तमरहिंदी, हब्बे अजारकी दी जाती हैं । ईलाज अनुभवी यूनानी चिकित्सक द्वारा ही कराएं ।

डॉ. लियाकत अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा स्पेशियलिस्ट)
ज़िला अधिकारी (जयपुर शहर)
एस.एम.एस.अस्पताल,
जयपुर (राज.)

अपनी बात अजय जैन के साथ

मोदी का बजट न्याय पत्र की नकल है, तो फिर कांग्रेस का विरोध क्यों?

गत जून माह में जब नरेंद्र मोदी, टीडीपी और जेडीयू के सहयोग से तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने तो कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने कहा कि यह सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी। क्योंकि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू जल्द ही अपना समर्थन वापस ले लेंगे, लेकिन 23 जुलाइ को जब मोदी सरकार ने तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट संसद में प्रस्तुत किया तो कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने कहा कि यह बजट सरकार को बधाने वाला बजट है। नीतीश कुमार के बिहार को 59 हजार करोड़ और चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपए दिए जाने पर भी विपक्ष को ऐतराज है। इसमें कोई दो राय नहीं कि मोदी सरकार ने अपने सहयोगी दलों के राज्यों को विशेष मदद दी है। राजनीति में मदद उसे ही की जाती है जो सरकार चलाने में सहयोग देता है। अब जब विपक्ष की उम्मीदों पर पानी फेर कर नरेंद्र मोदी अपनी सरकार को मजबूत कर रहे है, तब भी विपक्ष को ऐतराज है। जो बिहार विशेष राज्य का दर्जा मांग रहा था, उसे 59 हजार करोड़ तथा आर्थिक संकट से गुजर रहे आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपए की विशेष मदद कर मोदी ने लोकतांत्रिक तरीके से राजनीति की है। सवाल उठता है कि लोकतांत्रिक तरीके से राजनीति की है। सवाल उठता है कि क्या ऐसी मदद उस पश्चिम बंगाल को की जाए, जिसकी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पड़ोसी बांग्लादेश के लोगों को अपने प्रदेश में शरण दे रही है। भारत के जो संसाधन है, उस पर पहला हक देश के नागरिकों का है। बिहार और आंध्र प्रदेश को जो विशेष सहायता दी गई है, उसका फायदा इन दोनों राज्यों के मुसलमानों को भी मिलेगा। मोदी सरकार ने विशेष सहायता देते समय यह नहीं कहा कि विशेष पैकेज का लाभ मुसलमानों को न दिया जाए। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि नरेंद्र मोदी भी राजनीति के माहिर खिलाड़ी है। उन्हें पता है कि समर्थन देने वालों को किस तरह संतुष्ट किया जाता है। यह बात कोई मायने नहीं रखती कि जेडीयू के 12 सांसद होने के बाद 59 हजार करोड़ और टीडीपी के 16 सांसद होने के बाद 15 हजार करोड़ की मदद की गई है। असल में आबादी और भौगोलिक दृष्टि से आंध्र के मुकाबले बिहार बड़ा राज्य है। विशेष पैकेज पाकर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू मोदी सरकार के गुणगान कर रहे है। असल में यही बात विपक्ष को पच नहीं रही।

नकल है तो विरोध क्यों?

कांग्रेस ने मोदी सरकार के बजट को कांग्रेस के न्याय पत्र (चुनाव का घोषणा पत्र) की नकल बताया है। राहुल गांधी सहित कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि हमने न्याय पत्र के माध्यम से जो वादे किए थे, उनमें से अधिकांश को मोदी सरकार ने बजट में शामिल किया है। सवाल उठता है कि जब मोदी का बजट न्याय पत्र की नकल है तो फिर कांग्रेस विरोध क्यों कर रही है? क्या कांग्रेस को अपने ही न्याय पत्र के वादों को पूरा होने पर ऐतराज है? यदि न्याय पत्र की नकल की गई है तो कांग्रेस को तो मोदी सरकार के बजट की प्रशंसा करनी चाहिए, लेकिन कांग्रेस को विपक्ष की भूमिका निभानी है, इसलिए अपने ही न्याय पत्र की क्रियान्विति का विरोध कर रही है। विपक्ष चाहे कितनी भी हाय तौबा मचा ले, लेकिन नरेंद्र मोदी अपना तीसरा कार्यकाल मजबूती के साथ पूरा करेंगे।

एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे है अजमेर जैन समाज के मठाधीश

मुनि शुभम सागर और सक्षम सागर का चातुर्मास नहीं होने का मामला

इसे अजमेर के जैन समाज पर कलंक ही कहा जाएगा कि जैन मुनि शुभम सागर और सक्षम सागर महाराज का चातुर्मास नहीं हो सका। ये दोनों जैन मुनि अपने गुरु आचार्य सुनील सागर महाराज के निर्देश पर चातुर्मास करने के लिए अजमेर आ भी गए थे, लेकिन जैन समाज के मठाधीशों की जूतम पैजार को देखते हुए दोनों जैन मुनि 20 जुलाई को अजमेर शहर से चले गए। इन दोनों जैन मुनियों के चले जाने से इस बार बरसात के मौसम में अजमेर में किसी भी जैन मुनि का चातुर्मास नहीं होगा। जैन मुनियों के नाराज होकर चले जाने पर अजमेर जैन समाज के मठाधीशों को प्रायश्चित करना चाहिए था। जैन मुनि चातुर्मास के लिए आए और फिर एक ही दिन में वापस चले जाए। इससे ज्यादा शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती। भगवान महावीर के सिद्धांतों में प्रायश्चित को सबसे बड़ा गुण माना गया है। जैन मुनियों की साधना और तपस्या तो हर मनुष्य के जीवन मिसाल है। जैन मुनि तो परोपकार के लिए अपना जीवन ही दांव पर लगा देते हैं। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि अजमेर में जैन समाज के कुछ मठाधीश भगवान महावीर के सिद्धांतों पर भी अमल नहीं कर रहे है। प्रायश्चित करने के बजाए एक दूसरे को नीचा दिखाने का काम किया जा रहा है। जिन धड़ों और गुटों की वजह से जैन मुनियों ने अजमेर में चातुर्मास नहीं किया उनमें से एक गुट ने 22 जुलाई की रात को 8 बजे छोटा धड़ा पंचायत में एक सभा बुलाई है। इस सभा में अजमेर भर के जैनियों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन सभा के एजेंडे की भाषा से जाहिर है कि दूसरे गुट को नीचा दिखाया जाएगा। यानी यह गुट जैन मुनियों के चातुर्मास न होने के लिए स्वयं को जिम्मेदार नहीं मानता।

इस गुट के मठाधीशों का कहना है कि जो गुट जैन मुनियों को चातुर्मास के लिए लाया वही गुट दोषी है। एक दूसरे पर आरोप लगाने से पता चलता है कि जैन समाज के मठाधीशों को जैन मुनियों के लौट जाने का कोई दुख नहीं है। यदि कोई दुख होता तो मठाधीश एक दूसरे पर आरोप लगाने के बजाए कम से कम एक सप्ताह का उपवास रखकर प्रायश्चित करते। जैन धर्म में मौन व्रत का भी विशेष महत्व है। कई जैन मुनि और आचार्य एक एक वर्ष का मौन व्रत रखते हैं, लेकिन दो मुनियों के बैरंग लौट जाने के बाद भी अजमेर के मठाधीशों की जुबान कैंची की तरह चल रही है। जैन मुनियों का चातुर्मास न होने पर भी जिस तरह मठाधीश आपस में जूतम पैजार कर रहे है उससे प्रतीत होता है कि इन मठाधीशों के मन में जैन मुनियों के प्रति भी आदर का भाव नहीं है।

जामताड़ा के पांच साइबर क्रिमिनल को पांच साल की सजा, इन्हीं पर बनी थी जामताड़ा वेब सीरीज

रांची (एजेंसी)। रांची स्थित पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट ने जामताड़ा के पांच साइबर क्रिमिनल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है, जिन्हें सजा सुनाई गई है, उनमें गणेश मंडल एवं उसका पुत्र प्रदीप मंडल, संतोष मंडल एवं उसका पुत्र पिंटू मंडल और अंकुश कुमार मंडल शामिल हैं। सभी जामताड़ा के नारायणपुर थाना क्षेत्र के मिरगा गांव के रहने वाले हैं। कोर्ट ने इन सभी पर 2.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर दोषियों को अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जिला कलक्टर ने दिये मानसून सीजन में आपदा प्रबंधन को लेकर सतर्क रहने के निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। जिला कलक्टर ने जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिये हैं। कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में राजस्व अधिकारी भू-रूपांतरण सहित राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत मिल सके। इसके लिए सभी राजस्व अधिकारी अपने न्यायालय में दर्ज राजस्व प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित करें एवं लक्ष्य हासिल करने के लिए सप्ताह में पांचों दिन कोर्ट लेकर ज्यादा से ज्यादा दावों की सुनवाई करें। बैठक में कलक्टर ने जिले में भू-आवंटन, औद्योगिक प्रयोजनार्थ भू-संपरिवर्तन, नामान्तरण, कुर्रेजात, पत्थरगढ़ी एवं सहित सभी तरह के लम्बित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को राजस्व संबंधी सभी प्रकरणों को त्वरित गति से निस्तारित करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने पटवारियों की कार्यालय में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदार को पटवार कार्यालयों के औचक निरीक्षण के निर्देश दिये। इस दौरान कलक्टर ने अधिकारियों को पौधारोपण महाअभियान से संबंधित तैयारियां एवं व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने मानसून सीजन के दौरान उपखण्ड में आपदा प्रबंधन के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिये। उन्होंने जलभराव की स्थिति में जल निकासी एवं आमजन को रेस्क्यू करने के लिए जरूरी इंतजाम दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिये।

गायों को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

दो बसों की टक्कर में 2 की मौत, 12 घायल

बारां(वि.सं.)।ओवरब्रिज पर सड़क पर बैठी गायों को बचाने के लिए बस ने जैसी ही लाइन चेंज की पीछे आ रही तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। इससे आगे चल रही बस पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत और 12 से अधिक घायल हो गए। इनमें 8 लोगों की हालत गंभीर है। बस पलटने से एक व्यक्ति उसके नीचे दब गया। क्रेन की मदद से बस को उठाकर नीचे दबे व्यक्ति के शव को निकाल गया। हादसा मंगलवार सुबह 11 बजे नेशनल हाईवे-27 पर बारां में आमापुरा ओवरब्रिज पर हुआ। एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि ओवरब्रिज पर सड़क पर बैठी गायों को बचाने के कारण आगे चल रही बस ने अपनी लाइन चेंज की। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने आगे चल रही बस को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद आगे चल रही बस पलट गई। हादसे में चजवा निवासी मुकेश प्रजापति (34) और टोंक निवासी नरेश (30) की मौत हो गई।

हादसे में 12 से अधिक लोग घायल हो गए। 8 लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्कूल टीचर ने छात्रा को भेजे अश्लील मैसेज

लिखा- पास होगी तो मुझे क्या मिलेगा; ग्रामीणों ने की स्कूल पर तालाबंदी, विभाग ने किया एपीओ

आसपुर (वि.सं.)। डूंगरपुर के साबला ब्लॉक के निठाउवा थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में टीचर की ओर से नाबालिग छात्रा को अश्लील मैसेज भेजने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत के बाद भी विभागीय कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को स्कूल की छुट्टी करा दी। इसके बाद स्कूल पर तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, मामले में कार्रवाई करते हुए आसपुर एसडीएम के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने आरोपी टीचर को एपीओ कर दिया है। गांव के लोगों ने बताया कि गांव के स्कूल में कार्यरत टीचर जितेंद्र मीणा आए दिन शराब पीकर स्कूल आता है और छात्राओं के साथ छेड़छाड़ करता है।

केन्द्रिय बजट 2024-25

केन्द्रीय बजट गरीब महिला, युवा और अन्नदाता को समर्पित : कन्हैयालाल

जयपुर(नि.सं.)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट मील का पत्थर साबित होगा। इस बजट से देश का सुदृढ़ विकास होगा। केंद्रीय बजट युवाओं, किसानों उद्यमियों एवं कर्मचारियों सहित जनजाति समुदाय को राहत प्रदान करने वाला है। जलदाय मंत्री ने कहा कि रोजगार संबद्ध प्रोत्साहन के तहत 290 लाख युवाओं को लाभान्वित किया जाएगा। कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 5 वर्षों की अवधि में 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ मकान बनाए जाने का प्रावधान केंद्रीय बजट में किया गया है, इससे निश्चित तौर पर उन गरीबों को संबल मिलेगा जिनके पास रहने का पक्का घर नहीं है। जलदाय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनजाति समूह की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए भी संवेदनशील हैं। इसलिए केंद्रीय बजट में जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की घोषणा की गई है, जिसमें 63 हजार गांवों को शामिल कर 5 करोड़ जनजातीय लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। जलदाय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट में एमएसएमई को बढ़ावा देने, विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई के लिए ऋण गारंटी योजना, संकट की अवधि के दौरान बैंक ऋण जारी रखने का प्रावधान किया गया है, जिससे उद्यमियों को जरूर राहत मिलेगी। मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर केंद्र सरकार उद्यमियों के विकास के लिए कटिबद्ध है। जलदाय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट में जलापूर्ति एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक करोड़ घरों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने के लिए रूफटॉप सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। केंद्रीय बजट में वेतन भोगी कर्मचारियों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन में बढ़ोतरी करते हुए नई कर व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है, इससे वेतन भोगी कर्मचारियों को निश्चित तौर पर आयकर में लाभ मिलेगा।

आरएएफ का पैदल मार्च, उपद्रवियों की लिस्ट तैयार होगी

28 जुलाई तक झुंझुनूं में रहेगी रैपिड एक्शन फोर्स; सेंसेटिव इलाकों में की प्रैक्टिस

झुंझुनूं(वि.सं.)। रैपिड एक्शन फोर्स(आरएएफ) की प्लाटून झुंझुनूं आई है। टीम 28 जुलाई तक जिले के कई थाना इलाकों में जाकर पैदल मार्च करेगी एवं जानकारी जुटाएगी। संवेदनशील व अतिसंवेदनशील क्षेत्र में परिचित अभ्यास करेगी। इससे पहले टीम ने कमांडेंट दिलीप कुमार जैन के सुपरविजन में सहायक कमांडेंट सोनिया के नेतृत्व में कोतवाली थाने का भ्रमण कर सिटी सीओ वीरेन्द्र कुमार व कोतवाल पवन कुमार चौबे के साथ मिलकर शहर के संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्र में परिचित अभ्यास किया।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक अजय कुमार जैन के लिये उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं
प्लाट नं. 5, जैन कॉलोनी, हनुमान नगर, कुंचलवाड़ा रोड़, पोस्ट बॉक्स नं. 24, जीपीओ देवली जिला टोंक (राज.) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक- अजय कुमार जैन मो:- 9414636850, 9829755405